राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा हिन्दी मास–2025 के अन्तर्गत दिनांक 15.09.2025 को हिन्दी साहित्य में विज्ञान एवं पर्यावरणीय स्वर विषय पर राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. रविनन्दन सिंह, साहित्यकार एवं सम्पादक–सरस्वती हिन्दी पत्रिका द्वारा किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला का उद्देश्य वैज्ञानिक विषयों को सरल, सुगम और प्रभावी रूप में हिन्दी भाषा में प्रस्तुत करना है, जिससे विज्ञान आमजन तक अपनी मातृभाषा में पहुँचे। इसी क्रम में उन्होने कहा कि यह व्याख्यानमाला भारतीय वैज्ञानिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से आयोजित की जाती है, जिसमें प्रमुख वैज्ञानिक, शोधकर्ता एवं भाषा विशेषज्ञ भाग लेते हैं। कार्यक्रम को मुख्य उद्देश्य हिन्दी में वैज्ञानिक शब्दावली का विकास, तकनीकी लेखन को प्रोत्साहन एवं छात्रों व शोधार्थियों को विज्ञान की ओर आकर्षित करना है। मुख्य अतिथि डॉ. रविनन्दन सिंह ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिन्दी जैसी व्यापक जनभाषा में विज्ञान की समझ विकसित करना राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है। यह व्याख्यानमाला हिन्दी को केवल सांस्कृतिक ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक अभिव्यक्ति की भी सशक्त भाषा के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। उन्होने कहा कि हिन्दी साहित्य केवल भावनात्मक या सामाजिक विषयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने विज्ञान और पर्यावरण जैसे ज्वलंत मुद्दों को भी गहराई से प्रस्तुत किया है साथ ही साहित्य समाज को वैज्ञानिक दृष्टिकोण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का सशक्त माध्यम बना है। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन हरीश कुमार, प्रवर श्रेणी लिपिक द्वारा किया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दूबे के साथ अन्य कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - 2025
विषय : हिन्दी साहित्य में विज्ञान एवं पर्यावरणीय स्वर
15 सितम्बर 2025
डा0 रविनंदन सिंह
भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
(भा0वा0अ0शि0प0- वन अनुसंधान संस्थान डेहरादून)

राजभाषा एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - 2025
विषय : हिन्दी साहित्य में विज्ञान एवं पर्यावरणीय स्वर
15 सितम्बर 2025
डा0 रविनंदन सिंह
भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
(भा0वा0अ0शि0प0- वन अनुसंधान संस्थान डेहरादून)

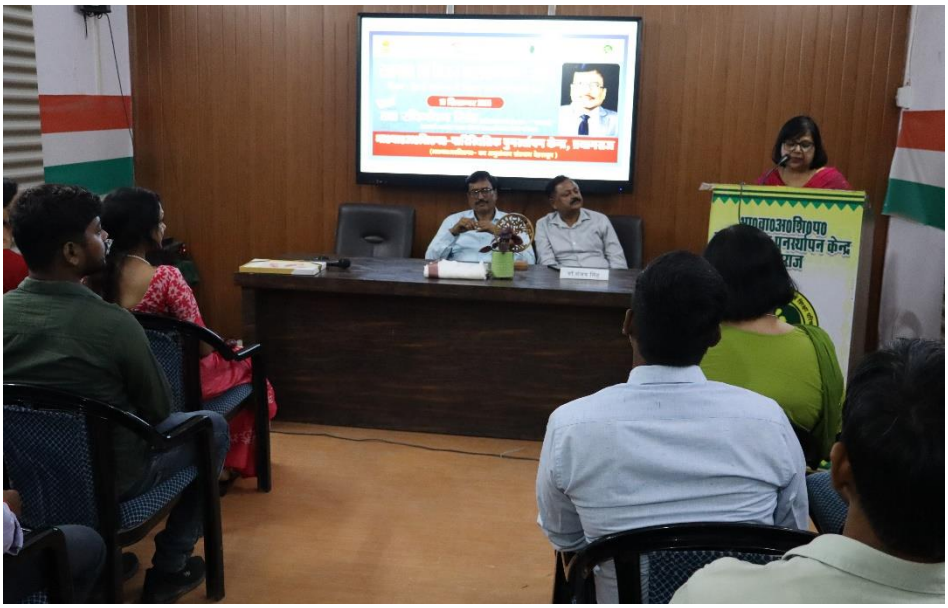

विज्ञान एवं विज्ञान व्याख्यानमाला - 2025
15 सितम्बर 2025
डा0 रविनंदन सिंह
भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

हिन्दी मास
दिनांक :- 01-30 सितम्बर 2025
भा0वा0अ0शि0प0-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

हिंदी में विज्ञान की समझ को विकसित करना जरूरी

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में व्याख्यान देते डॉ. रविनंदन सिंह।

प्रयागराज, संवाददाता। हिंदी पखवाड़े के तहत पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर में सोमवार को विज्ञान एवं पर्यावरण विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रविनंदन सिंह ने किया। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिक विषयों को सरल, सुगम और प्रभावी रूप में हिंदी भाषा में प्रस्तुत करना है। जिससे विज्ञान आमजन तक अपनी मातृ भाषा में पहुंचे। मुख्य अतिथि डॉ. रविनंदन सिंह ने कहा कि हिंदी जैसी व्यापक जनभाषा में विज्ञान की समझ विकसित करना राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है। इस मौके पर हरीश कुमार, डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव, डॉ. कुमुद दुबे समेत आदि मौजूद रहे।

Organizing a series of lectures on Official Language and Science

Staff Reporter

Prayagraj: ICFRE-ERC Ecological Restoration Center, Prayagraj organized a Rajbhasha and Science Lecture series on the topic of Science and Environmental Voice in Hindi Literature on 15.09.2025 under Hindi Month 2025.

The program was inaugurated by the chief guest Dr. Ravindran Singh, litterateur and editor-Saraswati Hindi magazine. Center head Dr. Sanjay Singh, while welcoming the chief guest, said that the objective of the Rajbhasha and Science Lecture series is to present scientific subjects in a simple, easy and effective form in Hindi language, so that science reaches the common people in their mother tongue. In the same sequence, he said that this lecture series is organized in collaboration with Indian scientific institutions, universities and educational institutions, in which prominent scientists, researchers and language experts participate. The main objective of the program is to develop scientific terminology in Hindi, encourage technical writing and attract students and researchers towards science. While presenting the lecture, the chief guest Dr. Ravindra Singh said that developing an understanding of science in a common language like Hindi is essential for the progress of the nation. This lecture series is a meaningful effort towards establishing Hindi as a strong language not only for culture but also for scientific expression. He said that Hindi literature is not limited to emotional or social topics, but it has also presented burning issues like science and environment in depth and literature has become a powerful medium to make the society aware of scientific outlook and environmental protection. At the end of the program, the vote of thanks was given by the senior scientist of the center, Dr. Anubha Shrivastava. The program was successfully conducted by Harish Kumar, senior category clerk. Senior scientists of the center, Dr. Anita Tomar, Alok Yadav, Dr. Kumud Dubey along with other employees etc. were present.